



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 277]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, मई 7, 1992/वैशाख 17, 1914

No. 277] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 7, 1992/VAISAKHA 17, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे एक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्यावरण और वन मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 7 मई, 1992

[प्रगवणी रेंज में विनियिष्ट खेत्रों में कलिपय नियाकलाप जो कि
प्रदेश में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं के निवेदन के लिये
पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) और
3(2)(क) और पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम
5(3)(घ) के प्रधीन]

का. आ. 319(अ) :—पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
(1986 का 29) की धारा 3(1) और धारा 3(2)(क) के
प्रधीन एक प्रधिसूचना, जिसमें परावर्ती रेंज में विनियिष्ट खेत्र में
कलिपय नियाकलापों जो कि प्रदेश में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा
रहे हैं, के निवेदन के लिये प्राक्षेप मार्ग गये थे, भारत के राजपत्र,
भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में (देखिए का.आ. 25(अ), सारीख
9 जनवरी, 1992) प्रकाशित की गई थी;

और केंद्रीय सरकार ने, प्राप्त मरी आक्षेपों पर सम्यक रूप से
विचार कर लिया है;

प्रत: यद्य, केंद्रीय सरकार पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986
के नियम 5 के साथ पठिन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
(1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2
के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधि-
सूचना से उपायद दारणी में विनियिष्ट खेत्रों में उसकी पूर्ण प्राप्ति
के सिवाय निम्नलिखित प्रक्रियाएँ और लक्षिताएँ करने का निये-
करती है—

- (i) किसी नये उद्योग का अवस्थावन, जिसमें विकारण अ-
प्रावृत्तिकरण भी है;
- (ii) (क) सभी खनन संक्रियाएँ, जिसमें खनन पद्धतें
नवीकरण भी हैं;
- (ख) अपवारण्यों/राष्ट्रीय पर्क और परियोजना योर के अन-
द्याने वाले खेत्रों में विद्यमान खनन पद्धते और/या
- (ग) सर्वम प्राविकारी की अनुज्ञा के बिना खनन, कार्य फ-
जा रहा है।
- (iii) पेड़ों की कटाई;

(iv) किसी निषास एककों का समूह, कार्य हाजर, शेडों, समुदाय के नेट्रों, सूचना-केंद्रों का विनियोग और ऐसे विनियोग से संबंध कोई गम्य वियाकलाप (जिसमें उनसे संबंधित किसी अवसरण के भाग के रूप में सङ्कें हैं) ;

(v) विद्युतीकरण (नई प्रेवेन लाइनों का विद्युत जाना)।

2. कोई व्यक्ति जो उक्त लेनों में कोई उपरोक्त विधि प्रक्रियाएं या संक्रियाएं करने की चांडा करता है, एक आवेदन संख्यन आवेदन प्रकृति में (उपार्थ) सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली को देगा जिसमें गम्य बातों के साथ-साथ जेत्र और प्रस्तावित संक्रिया और प्रक्रिया के व्यौरे विनियिष्ट किये जायेंगे। आवेदन के साथ एक पर्यावरण समाचार कथन और एक पर्यावरणीय प्रबन्ध योजना भी देगा और आवेदन पर विचार करने के लिये ऐसी गम्य सूचनाएं जिनकी केन्द्रीय सरकार द्वारा अपेक्षा की जाएं, देगा।

3. केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय, उक्त प्रधिकारियम के उपबन्धों का प्रभावी के लिये उसके द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्गीवर्णक सिद्धांतों का व्यान रखते हुए आवेदन प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर या जहां आवेदन से और कोई जानकारी भागी गई हो तो ऐसी जानकारी की प्राप्ति तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर मनुजा प्रबन्ध लेनेगा या उक्त लेने में पर्यावरण पर प्रस्तावित प्रक्रिया या संक्रिया के सामाचार के आधार पर उक्त अवधि के भीतर मनुजा देने इकार करेगा।

4. इस प्रधिकृतना के अधीन मनुजा की चांडा के लिये कोई गमेवन विहित प्रकृति में (उपार्थ वैचारिक) सम्यक रूप से भर कर विद्युतीकरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सी जी भोग संसेक्ष, लोधी रोड, नई दिल्ली को भेजा जा सकेगा।

[स. 17/1/91-पी एल/पाई ए]
मार, राजामणी, सचिव

सारणी

वे लेने जहां बिना मनुजा की प्रक्रियाओं और संक्रियाओं का निषेच या गया है।

(i) इस प्रधिकृतना की तारीख को हरियाणा राज्य के गुडगांव जिले और राजस्थान राज्य के ग्लावर जिले के संबंध में इस प्रधिकृतना की तारीख को राज्य सरकार द्वारा रखे गए भू-प्रभिलेख में ‘जन’ के रूप में दर्शाएं गए सभी आरक्षित वन, संरक्षित वन या कोई गम्य लेने

(ii) इस प्रधिकृतना की तारीख को हरियाणा राज्य के गुडगांव जिले और राजस्थान राज्य के ग्लावर जिले के संबंध में राज्य सरकार द्वारा रखे गए भू-प्रभिलेखों में—

- (क) गंर मुमकिन पहाड़, या
- (ख) गंर मुमकिन राडा, या
- (ग) गंर मुमकिन बीहड़, या
- (घ) बंजर बीड़, या
- (इ) रंध

के रूप में दर्शात सभी लेने।

(iii) गुडगांव जिले में इस प्रधिकृतना की तारीख तक हरियाणा राज्य को लागू पंजाब लैंड प्रेजरवेन्यू एकट, 1900 की गारा 4 और गारा 5 की अधीन जारी की गई प्रधिकृतनाओं के प्रस्तावित भागे वाले सभी लेने।

(iv) वस्त्रजीव (संरक्षण) प्रधिकृतना (1972 वा 51) के प्रश्नां प्रत्येक वारिस्का के राष्ट्रीय उद्यान और सांस्कारिक विवरण के सभी लेने।

उपार्थ

आवेदन का प्रणाली

1. (क) प्रतावित परियोजना का नाम और पता :

(ख) परियोजना का अवस्थान :

स्थान का नाम :

जिला, तहसील :

प्रवासियत नक्शा

(ग) परीक्षित आमूकल्पिक स्थल और प्रस्तावित स्थल के लिए कारण :

2. परियोजना के उद्देश्य :

(क) भूमि की अपेक्षाएं

हाथी भूमि

गम्य (विनियिष्ट करें)

(ख) (i) प्रणवता, अधिमूखता और तुंगता उपवशित करते हुए लेने की स्थलांकृति :

(ii) प्रस्तावित भूमि का अपरदनीय वर्गीकरण :

(ग) 10 किलोमीटर अवधिकार के भीतर विद्युत मान प्रदूषण स्तरों :

(घ) निकटतम राष्ट्रीय उद्यान/प्रभवारण्य/जीव भूमि भूमि भारक/संसारक/प्राचीन स्थल/प्राचिनता वन रेसे दूरी :

(ङ) वादांतों/वार्डों एवं इनकी विवरणीय विवरण :

(च) हरित पट्टी योजना :

(छ) प्रतिकरात्मक बनरोपण योजना :

4. जलवायु और वायु क्षात्रियों* :

(क) स्थल पर पवननेत्र :

(ख) प्रधिकरण/प्रभवारण्य/प्रोत्साहन वार्षिक वापमान:

(ग) परिवेशी वायु क्षात्रियों के प्रांकङ्गः,

(घ) परियोजना से उस पी एम, ग्रैंडों 2, एस ओ 2, एन ओ एकट के उत्पर्जन की प्रकृति और रेण्ट :

** 5. (क) जन भूत्स स्थल पर जल संतुलन और मूजल की उपलब्धता और मांग :

(ख) जल सीजन में जल की उपलब्धता :

(ग) उपयोग में लाए जाने वाले जल स्त्रोत, प्रतियोगी उत्पर्जनाओं की (नदी, झील, झीम, सार्जनिक प्रवाय) के व्यौरे :

(च) जल की क्षात्रियों :

(छ) पिछले 15 वर्षों में जल की मात्रा और क्षात्रियों में देखे गए परिवर्तन और वर्तमान में भरण तथा निष्कर्ष वर्ण के व्यौरे

(ङ) (i) छोड़ जाने वाले प्रपशिष्ट जल की मात्रा उपचार व्योरों सहित :

(ii) अधिकारी जलाचान में प्रपशिष्ट जल की मात्रा और क्षात्रियों :

*प्रांकङ्गः भारत मौसम विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त किए गए जा सकते हैं।

**प्रांकङ्गः के लिए भू जल बोर्ड और सिवाई विभाग से सम्पर्क किया जा सकता है।

(iii) भूमि पर छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा और भूमि को किस्म :

6. मालिक वैट

(क) उद्योगित ठोस अपशिष्ट की प्रकृति और मात्रा :

(ख) ठोस अपशिष्ट के व्ययन की गद्दी :

7. गोर और कंपन

(क) शीर और कंपन के स्तरों :

(ख) परिवेश गोर का स्तर :

(ग) प्रदायावित गोर और कंपन निवंत्रण उपाय :

(घ) निवंत्रण उपायों के माय प्रवर्तन समस्या, यदि कोई हो :

8. प्रदाय का स्तरों उपदर्शित करते हुए विद्युत की अवेद्या :

यदि बड़ा विद्युत यूनिट प्रस्तावित है तो पूरे पर्यावरण संबंधी व्योरे पृथक रूप में दिए जाएंगे :

9. अभिनियोजित किए जाने वाला कुल अभिक बल, उसके व्योरे सहित : क्षेत्र में स्थानीय स्वास्थ्य समस्याएं प्रभावित स्वास्थ्य प्रणाली

10. (क) मार्मों की संख्या और विस्थापित की जाने वाली जनसंख्या :

(ख) पुनर्वास मास्टर प्लान :

11. जोखिम निष्कारण रिपोर्ट

12. (क) पर्यावरण समाधान निधि-रण रिपोर्ट : समय-समय पर एम. ई. एफ. डारा जारी किए गए मार्गदर्शकों के प्रभुसार तैयार की गई।

(ख) पर्यावरण संबंधी प्रबल्य योजना :

(ग) साध्यता की विस्तृत रिपोर्ट :

(घ) बन (संरक्षण) प्रधिनियम, 1980 के प्रवीन बन भूमि के लिए प्रसार जिसमें फायदा लागत विशेषण है :

13. राज्य प्रदूषण निवंत्रण बोर्ड और/या पर्यावरण और बन राज्य विभाग की सिफारिसें :

प्रावेदक के इस्तम्भ

प्रावेदक के नाम, तारीख और पूरे ढाक पते सहित

टिप्पण : क. मध संख्या 3(ग), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12 (ख) और 12 (ग) पैरों की कटाई को लागू नहीं है।

ख. मध संख्या 3 (ग), 4, 7, 11 निवास एकानों के समूह, हवा शेषों, सामुदायिक केन्द्रों के नियन्त्रण और ऐसे किसी भी नियन्त्रण विद्यमें सङ्कें भी सम्मिलित है से संबंधित अन्य क्रिया कलापों को लागू नहीं है।

ग. मध संख्या 3 (ख), 3 (ग), 3 (फ), 3 (च), 4, 5, 6, 7, 9, 12 (क) और 12 (ख) विषयतारण से लागू नहीं है।

घ. खनन, उद्योग, उच्चीय शक्ति, परिवहन परियोजनाओं की व्याप में सभी मद्दे प्रस्तुत करती है।

इ. अपर किसी बात के होते हुए भी ऐसी कोई भी मध (खेत) पर जो लागू नहीं होती विवार यथा जाता है कारणों के सहित उपर्योगित की जा सकती है।

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 1992.

(Under Section 3(1) and 3(2) (v) of the Environment Protection) Act, 1986 and rule 5(3) (d) of the Environment (Protection) Rules, 1986 restricting certain activities in specified area of Aravali Range which are causing Environmental Degradation in the Region.

S.O. 319(E).—Whereas a Notification under section 3(1) and section 3(2) (v) of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) inviting objections against restricting certain activities in specified area of Aravalli Range which are causing Environmental Degradation in the Region was published in the Gazette of India, Part II-Section 3 Sub-section (ii) vide S.O. 25(E) dated 9th January, 1992;

And whereas all objections received have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2), of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby prohibits the carrying on of the following processes and operations, except with its prior permission, in the areas specified in the Table appended to this Notification :

(i) Location of any new industry including expansion/modernisation;

(ii) (a) All new mining operations including renewals of mining leases.

(b) Existing mining leases in sanctuaries/national Park and areas covered under Project Tiger and/or

(c) Mining is being done without permission of the competent authority.

(iii) Cutting of trees;

(iv) Construction of any clusters of dwelling units, farms houses, sheds, community centres, information centres and any other activity connected with such construction (including roads a part of any infrastructure relating thereto);

(v) Electrification (laying of new transmission lines).

2. Any person who desires to undertake any of the above mentioned processes or operations in the said areas, shall submit an application to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, New Delhi, in the attached application form (Annexure) specifying, inter alia, details of the area and the proposed process or operation. He shall also furnish an Environmental Impact Statement and an Environmental Management Plan along with the application and such other information as may be required by the Central Government for considering the application.

3. The Central Government in the Ministry of Environment and Forests shall, having regard to the guidelines issued by it from time to time for giving effect to the provisions of the said Act, grant permission within a period of three months from the date of receipt of the application or where further information has been asked for from the applicant, within a period of three months from the date of the receipt of such information, or refuse permission within the said time on the basis of the impact of the proposed process or operation on the environment in the said area.

4. For seeking permission under this Notification, an application in the prescribed form (see Annexure), duly filled in, may be submitted to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, Parivaran Bhawan, CGO Complex, Lodi Road, New Delhi.

[No. 17/1/91-PL/IA]

R. RAJAMANI, Secy.

TABLE

Areas where carrying on of processes and operations without permission is prohibited

(i) all reserved forests, protected forests or any other area shown as "forest in the land records maintained by the State Government as on the date of this notification in relation to Gurgaon District of the State of Haryana and the Alwar District of the State of Rajasthan.

(ii) all areas shown as :—

- (a) Gair Mumkin Pahar, or
- (b) Gair Mumkin Rada, or
- (c) Gair Mumkin Behed, or
- (d) Banjad Beed, or
- (e) Rundh.

in the land records maintained by the State Government as on the date of this notification in relation to Gurgaon district of the State of Haryana and the Alwar district of the State of Rajasthan.

(iii) all areas covered by notifications issued under section 4 and 5 of the Punjab Land Preservation Act, 1900, as applicable to the State of Haryana in the district of Gurgaon up to the date of this Notification.

(iv) all areas of Sariska National Park and Sariska Sanctuary notified under the Wildlife (Protection) Act, 1972 (53 of 1972).

ANNEXURE

APPLICATION FORM

1. (a) Name & address of the project proposed:

(b) Location of the project:

Name of the Place :

District, Tehsil :

Location Map. :

(c) Alternate sites examined and the reasons for the site proposed:

2. Objectives of the project

3. (a) Land Requirement :

Agriculture land :
Other specify) :

(b) (i) Topography of the area indicating gradient, aspect & altitude.

(ii) Erodability classification of the proposed land.

(c) Pollution sources existing within 10 km. radius.

(d) Distance of the nearest National Park/Sanctuary/Biosphere Reserve/Monuments/heritage site/Reserve Forest :

(e) Rehabilitation plan for Quarries/borrow areas :

(f) Green belt plan.

(g) compensatory afforestation plan.

4. Climate & Air Quality*:

(a) Windrose at site:

(b) Max./Min./Mean annual temperature.

(c) Ambient air quality data:

(d) Nature & concentration of emission of SPM, Gases (CO, CO₂, SO₂, NO_x etc.) from the project:

5.** (a) Water balance at site surface and ground water availability and demand :

(b) Lean season water availability:

(c) Water source to be tapped with details of competing users (Rivers, lake, Ground, Public supply):

(d) Water Quality:

(e) Charges observed in quantity and quality of water in the last 15 years and present charging and extraction details:

(f) (i) Quantum of waste water to be released with treatment details :

(ii) Quantum & Quality of water in the receiving water body :

(iii) Quantum of waste water to be released on land and the type of land:

6. Solid Wastes :

(a) Nature & quantity of solid wastes generated:

(b) Solid waste disposal method:

7. Noise & vibrations:

(a) Sources of noise & vibrations:

*Data may be obtained from India Meteorological Department and State Pollution Control Board.

**Ground water Board and the Irrigation Deptt. Deprt. may be contacted for data.

(b) Ambient noise level;

(c) Noise & vibration control measures proposed;

(d) Subsidence problem, if any, with control measures;

8. Power requirement indicating source of supply; complete environmental details to be furnished separately, if captive power unit proposed;

9. Total labour force to be deployed with details of:

- Endemic health problems in the area.
- Health care system proposed;

10. (a) Number of families and population to be displaced;

(b) Rehabilitation Master Plan;

11. Risk assessment report;

12. (a) Environmental Impact Assessment Report;

(b) Environmental Management Plan : Prepared as per Guidelines of MEF issued from time to time.

(c) Detailed Feasibility Report;

(d) Proposal for diversion of Forest land under Forest (Conservation) Act, 1980 including Benefit Cost analysis;

13. Recommendations of the State Pollution Control Board and/or the State Department of Environment & Forests.

Signature of the Applicant
Alongwith name, date and full Postal address.

N.B.:

A. Item Nos. 3(c), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12(b) and 12(c) are not applicable to cutting of trees

B. Item Nos. 3(c), 4, 7, 11 are not applicable to construction of cluster of dwelling units, farm sheds, community centre and any other activity connected with such construction including roads.

C. Item Nos. 3(b), 3(c), 3(e), 3(f), 4, 5, 6, 7,

D. 9, 12(a) & 12(b) are not applicable to electrification.

D. All items to be furnished in case of mining, industry thermal power, transport projects

E. Notwithstanding the above, any item(s) considered not applicable may be so indicated alongwith reasons.

